मां बंगलामुखी के धाम में

अजब निराली शक्ति है मां ; मां बगलामुखी के नाम में,
इच्छापूर्ण हो जाए ; मां बंगलामुखी के धाम,

जो चाहो वह मिल जाए ; मां कभी ना देर लगाए,
जो भी आऐ द्वार मईया के ; सब की आस पूजाए,
हर पल आप सहाई होती ; भक्तों के शुभ काम मै,

गुरुवार को मईया के ; दरबार पर मिले लगते हैं,
शंखनाद घड़ियाल नगाड़े ; मां के दर पर बजते हैं,
झूम रहे हैं भक्त मंदिर में ; रात और दिन सुबह शाम में,

बनखंडी पर्वत से चलकर ; आई आध भवानी ,
बंगलामुखी धाम में बैठी ; जगजननी महारानी ,
दुष्टों का नाश है करती ; उनके बुरे परिणाम में ,

पीले वस्त्र पहन पुजारी ; मां का ध्यान लगाते हैं ,
योगीराज सत्यनाथ जी ; हवन यज्ञ करवाते हैं ,
पीले वस्त्र है शोभा देते ; मां की सुंदर शाम में ,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/10543/title/maa-baglamukhi-ke-dhaam-me-ajab-nirali-shakati-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |